>

Title: Need to upgrade Deen Dyal Upadhyay University as a Central University.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल और बिहार के पश्चिमांचल में बलिया, सीवान, छपरा, चम्पारण, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, मऊ, संत कबीर नगर, महाराजगंज जनपद हैं। दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर करीब 10 करोड़ की आबादी में स्थित है। 1 सितम्बर, 1957 को स्वर्गीय महंत दिग्विजय नाथ जी, गोविंद बल्लभ पंत जी और सुरेन्द्र मजेठिया जी सहित काफी लोगों के प्रयास से यह विश्वविद्यालय खुला। इसके 123 विद्यालय सम्बद्ध हैं। 300 एकड़ जमीन में यह विद्यालय स्थापित है। जब हम आजाद हुए तब हमारे देश में 20 विश्वविद्यालय थे और आज 610 विश्वविद्यालय हैं। मैं समझता हूं कि हमारे क्षेत्र के 10 हजार नौजवानों का उच्च शिक्षा के लिए पलायन हो रहा है। उनके पलायन से क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा है। उच्च शिक्षा में जितनी प्रगति करनी चाहिए, वह संसाधनों के अभाव में नहीं हो पा रही है। इसलिए मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनीवर्सिटी को केन्द्रीय अनुदान सूची में शामिल किया जाए ताकि वहां के छात्रों को शिक्षा मिल सके।